दैनिक

फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल

वर्ष : ०९ | अंक:२४८ | मुंबई,बुधवार १८ फरवरी २०२६ | RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 | पृष्ठ-४ | मूल्य २/रू.

तारिक रहमान बने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति ने दिलाई पद व गोपनीयता की शपथ

ढाका, तारिक रहमान ने मंगलवार को बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने संसद भवन में आयोजित एक सादे समारोह में उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

इसके साथ ही देश में पिछले 18 महीनों से कार्यरत अंतरिम सरकार का कार्यकाल समाप्त हो गया। इस शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री के साथ ही 25 कैबिनेट मंत्रियों और 24 राज्य मंत्रियों को भी पद की शपथ दिलाई गई। नई मंत्रिपरिषद में 25 कैबिनेट मंत्रियों में से 17 नए चेहरे हैं, जबकि 24 राज्य मंत्रियों में अधिकांश पहली बार मंत्रिमंडल का हिस्सा बने हैं। मंत्रिमंडल में एक हिंदू मंत्री को भी शामिल किया गया है। स्वयं तारिक रहमान भी पहली बार किसी मंत्रिमंडल का हिस्सा बने हैं। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के अध्यक्ष तारिक रहमान पहली बार प्रधानमंत्री बने हैं। इससे पहले दिन में पार्टी के नवनिर्वाचित सांसदों ने उन्हें संसदीय दल का नेता चुना था। वे पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया और दिवंगत राष्ट्रपति जियाउर रहमान के पुत्र हैं। लगभग 17 वर्षों तक लंदन में रहने के बाद वे दो महीने पहले ही बांग्लादेश लौटे थे। उनका कार्यकाल पांच वर्षों का होगा। गौरतलब है कि पिछले गुरुवार को हुए आम चुनाव में बीएनपी ने 299 में से 209 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया। सरकार बनाने के लिए आवश्यक 150 सीटों के आंकड़े को पार्टी ने आसानी से पार कर लिया।

मुंबई एयरपोर्ट कार्गो कॉम्प्लेक्स में हादसा – कर्मचारी की मौत

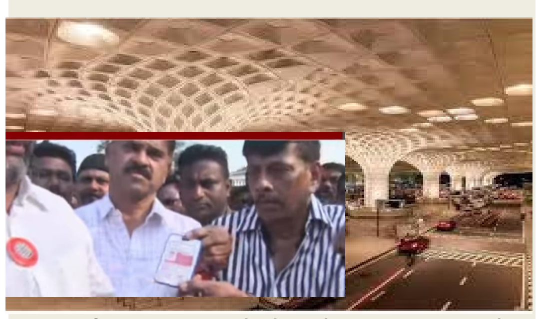

मुंबई, मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के सहार एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स में एक दर्दनाक हादसे में 46 वर्षीय लॉजिस्टिक्स कर्मचारी की मौत हो गई।

क्या हुआ?

मृतक की पहचान गणेश लोटणकर (46) के रूप में हुई है। रविवार (16 फरवरी) शाम करीब 5:30 बजे वह कार्गो परिसर के अंदर पैदल जा रहे थे। इसी दौरान एक ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी और कमर के नीचे से कुचल दिया। गंभीर हालत में उन्हें कूपर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस की कार्रवाईः सहार पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया है।

आरोपी चालक की गिरफ्तारी की प्रक्रिया जारी बताई जा रही है।

पीड़ित के बारे में: गणेश लोटणकर पिछले करीब 20 वर्षों से एक लॉजिस्टिक्स कंपनी में कार्यरत थे। घटना के समय वह फार्मा कार्गो के दस्तावेज क्लियर करने गए थे।

दादा की मौत का रहस्य बरकरार : सरकार की चुप्पी पर रोहित पवार और संजय राऊत का वार

ब्लैक बॉक्स गायब, यात्रा अचानक बदली... अजीत पवार हादसा या साज़िश?

सईद शेख

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति और प्रशासन को झकझोर देने वाला बारामती विमान हादसा दिन-ब-दिन और रहस्यमय होता जा रहा है। 28 जनवरी को हुए इस हादसे में राष्ट्रवादी नेता अजीत पवार सहित पांच लोगों की मौत के बाद अब यह मामला केवल तकनीकी विफलता तक सीमित नहीं रह गया है। हादसे से जुड़े तथ्यों, बयानों और सरकार की चुप्पी ने इसे राजनीतिक और संवेदनशील मोड़ पर ला खड़ा किया है। अजीत पवार के भतीजे और विधायक रोहित पवार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि दुर्घटना से पहले के 24 घंटे सामान्य नहीं थे। उन्होंने कहा कि कई घटनाक्रम ऐसे थे जो अचानक बदले गए और जिनका सीधा संबंध सुरक्षा और यात्रा से जुड़ा था। रोहित पवार ने साफ शब्दों में कहा कि यह सिर्फ एक एक्सीडेंट नहीं हो सकता और इसके पीछे साज़िश की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। उनके इस बयान के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल तेज हो गई। इसी बीच शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने इस हादसे को गंभीर और रहस्यमय करार देते हुए कहा कि जांच में सामने आ रही बातें सामान्य नहीं हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि जिस तरह से अहम सबूतों को लेकर सवाल उठ रहे हैं, वह पूरे मामले को संदेह के घेरे में ले जाता है। संजय राउत का कहना है कि अगर यह केवल तकनीकी हादसा था तो फिर उससे जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य नष्ट कैसे हो गए। नागर विमानन महानिदेशालय ॐ के अनुसार चार्टर्ड लियरजेट-45 मुंबई से बारामती जा रहा था और रनवे पर दुर्घटनाग्रस्त लैंडिंग के दौरान यह हादसा हुआ। जांच एजेंसियां प्रक्रिया में हैं, लेकिन सरकार की ओर से अब तक स्पष्ट और भरोसेमंद बयान सामने नहीं आया है। इसी चुप्पी को लेकर विपक्ष और जनता दोनों सवाल उठा रहे हैं। विपक्षी दलों का कहना है कि यह मामला अब सिर्फ तकनीकी जांच का नहीं, बल्कि पारदर्शिता और जवाबदेही का बन चुका है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहले ही इस हादसे को लेकर साज़िश की आशंका जता चुकी हैं। हाल में सामने आए नए वीडियो फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा बताए गए विस्फोटों के दावे भी संदेह को और मजबूत कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर जनता पूछ रही है कि क्या सच में हादसा तकनीकी था या फिर सच को सामने आने से पहले ही दबा दिया गया। अब सरकार और जांच एजेंसियों पर दबाव बढ़ता जा रहा है कि वे पूरे मामले में पारदर्शिता के साथ सच्चाई सामने लाएं।

अचानक बदली गई यात्रा योजना

अजीत पवार की यात्रा योजना में अंतिम समय पर हुआ बदलाव भी सवालों के घेरे में है। जानकारी के अनुसार पहले मुंबई से पुणे तक कार से यात्रा की तैयारी थी, लेकिन अचानक विमान से जाने का फैसला किया गया। रोहित पवार का कहना है कि यह बदलाव सामान्य नहीं था और इसके पीछे के कारणों की गहराई से जांच होनी चाहिए। उनका आरोप है कि इसी बदली हुई योजना ने हादसे की आशंका को और संदिग्ध बना दिया है। अब यह मामला केवल एक दुर्घटना की जांच नहीं, बल्कि राजनीतिक विश्वास, प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही की कसौटी बन चुका है। जनता यह जानना चाहती है कि यह हादसा संयोग था या फिर इसके पीछे कोई गहरी साज़िश छिपी है।

ब्लैक बॉक्स पर रहस्य गहराया

हादसे के बाद सबसे बड़ा सवाल विमान के ब्लैक बॉक्स को लेकर खड़ा हुआ है। संजय राउत और रोहित पवार दोनों का कहना है कि ब्लैक बॉक्स का जल जाना बेहद असामान्य है। उनका तर्क है कि दशकों पुराने विमान हादसों में भी ब्लैक बॉक्स सुरक्षित बरामद किए गए हैं, लेकिन इस मामले में उसका नष्ट होना कई शंकाओं को जन्म देता है। विपक्ष का आरोप है कि अगर ब्लैक बॉक्स सुरक्षित रहता तो हादसे की असल वजह सामने आ सकती थी।

ठाणे में इमारत की गिरी स्लैब, तीन घायल, 80 लोग निकाले गए, बिल्डिंग की गई सील

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे शहर में मंगलवार सुबह एक बड़ा हादसा हुआ है। एक आवासीय इमारत की पांचवीं मंजिल से एक स्लैब नीचे वाली मंजिल पर गिर गई। हालांकि इस घटना में तीन लोग ही घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि घायलों में से एक की हालत गंभीर है। यह घटना वागले एस्टेट के शांतिनगर स्थित पांच मंजिला नूतन नीलम अपार्टमेंट में तड़के तीन बजकर सात मिनट पर हुई। अधिकारियों के अनुसार, यह इमारत लगभग 35 साल पुरानी है और घटना के बाद 80 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया।

ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तडवी ने बताया कि पांचवीं मंजिल के एक फ्लैट से एक स्लैब चौथी मंजिल पर स्थित एक घर पर गिरी जिससे ऊपरी फ्लैट में रहने वाला एक व्यक्ति और नीचे रहने वाले दो लोग घायल हो गए।

501 फ्लैट नंबर की स्लैब गिरीः अधिकारियों ने बताया कि पांचवीं मंजिल पर स्थित कमरा नंबर 501 का स्लैब अचानक टूटकर ठीक नीचे वाले कमरे में गिर गया। यह इमारत तीन दशक से अधिक पुरानी है और इसमें भूतल के साथ पांचवीं मंजिल भी शामिल है। घायलों की पहचान

गजेंद्र प्रसाद (60) के रूप में हुई है, जिनके दाहिने कंधे में फ्रैक्चर है। प्रिंस यादव (25), जिनके दाहिने पैर में फ्रैक्चर है; और प्रदीप यादव (23), जिनके दोनों पैरों और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं। तीनों को तुरंत सरकारी अस्पताल ले जाया गया है।

तीन अस्पताल में: अधिकारी ने बताया कि तीनों को ठाणे के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को बेहतर इलाज के लिए मुंबई के एक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। सूचना मिलते ही आपातकालीन दल मौके पर पहुंचे।

खाली कराई गई इमारतः ताडवी ने बताया कि इमारत में करीब 80 से 85 लोग रहते हैं। हमने सभी निवासियों को बचा लिया है। उनमें से लगभग आधे लोगों को अस्थायी आश्रय के लिए शांतिनगर स्थित टीएमसी स्कूल भेज दिया गया है, जबकि अन्य ने अपने रहने का इंतजाम खुद कर लिया है। इमारत को खतरनाक C2B श्रेणी में रखा गया था। एहतियात के तौर पर इसे खाली कराना पड़ा। नगर निगम भवन विभाग द्वारा आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जलवायु परिवर्तन सबसे बड़ी चुनौतीः मुंबई जैसे तटीय शहरों पर खतरा, 2030 तक 50% हरित ऊर्जा का लक्ष्य

फडणवीस ने जलवायु परिवर्तन को शासन की बड़ी चुनौती बताया। उन्होंने 2030 तक महाराष्ट्र में 50% हरित ऊर्जा का लक्ष्य रखा और तटीय शहरों के लिए आपदा-रोधी बुनियादी ढांचे पर जोर दिया।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जलवायु परिवर्तन को एक तत्काल शासन संबंधी चुनौती बताते हुए कहा कि मुंबई जैसे तटीय शहर अब चरम मौसमीय घटनाओं के सीधे प्रभाव का सामना कर रहे हैं। उन्होंने जलवायु संकट से निपटने के लिए मजबूत कार्यान्वयन, निवेश और वैश्विक साझेदारियों की आवश्यकता पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री मंगलवार को 'मुंबई क्लाइमेट वीक' (एमसीडब्ल्यू) के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, केस स्टडी और विचार-विमर्श सत्रों का आयोजन किया गया है।

फडणवीस ने दी चेतावनी

फडणवीस ने कहा कि अत्यधिक वर्षा, लू, बेमौसम बारिश और अन्य चरम मौसमी घटनाओं का प्रभाव तटीय शहरों पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन अब केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, बल्कि शासन के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है, जिसके लिए त्वरित और निरंतर कार्रवाई आवश्यक है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि भारत आर्थिक विकास और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के बीच संतुलन बनाते हुए नवीकरणीय ऊर्जा की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र वर्ष 2030 तक हरित ऊर्जा में 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी हासिल करने के लक्ष्य की ओर काम कर रहा है।

उन्होंने बाढ़ नियंत्रण प्रणालियों को सुदृढ़ करने, डेटा-आधारित मौसम पूर्वानुमान विकसित करने और आपदा-रोधी बुनियादी ढांचे के निर्माण की जरूरत पर भी बल दिया। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में जलवायु-अनुकूल कृषि और कुशल जल प्रबंधन उपायों को प्राथमिकता देने की बात कही।

SHABBIR MEMON (DIRECTOR) 9892488825. TEL: 022 6780894

MEMON REALTORS

Builder & Devloper PVT. LTD.

Shop No. 1 to 5, Bldg,. No . 2 Next Ahuja Bulding R.M. Road, Oshiwara, Jogeshwari(W), Mumbai - 400 102. memonshabbir24@gmail.com

संपादकीय

एम.एस.शेख
संपादक

बांग्लादेश के जेन-जी ने वंशवाद स्वीकार किया?

बांग्लादेश में २०२४ के जैन-जी विद्रोह के बाद शेख हसीना की सरकार गिर गई थी। अब बांग्लादेश में नया चुनाव हो गया है। इस चुनाव में बांग्लादेश की वंशवादी पार्टी के वंशज तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी ले आगे आए हैं। बांग्लादेश में युवाओं ने वंशवादी पार्टी को भारी मात्रा में समर्थन देकर सत्ता तक पहुंचाया है। विद्रोह के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बांग्लादेश में जो अंतरिम सरकार बनी थी, उसके बाद बांग्लादेश में कुछ हद तक सामान्य स्थिति देखने को मिली थी। तारिक रहमान के माता और पिता दोनों ही प्रधानमंत्री बन चुके हैं। २००७ में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे, और उनको जेल भी हुई थी। शेख हसीना की सरकार ने उन्हें कई मामलों में आरोपी ठहराया था। बांग्लादेश में हुए विद्रोह के बाद २०२४ में जब अंतरिम सरकार बनी, उस समय उनके ऊपर लगे आरोपों को समाप्त कर दिया गया था। २०२६ में उनकी पार्टी ने चुनाव लड़ा और एक बड़ी जीत हासिल की। १२ फरवरी को बांग्लादेश में शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न हुए। शेख हसीना पर चुनाव में धांधली कराने का आरोप लगा था। उसकी तुलना में इस चुनाव में इस तरह का कोई आरोप देखने को नहीं मिला है। २०२४ में शेख हसीना की मजबूत सत्ता को गिराने वाले युवाओं के नेतृत्व ने इस चुनाव में जो परिणाम दिए हैं, उसने सभी को आश्चर्यचकित किया है। युवा बदलाव के प्रतीक होते हैं। बांग्लादेश के युवाओं ने स्थाई शासन के लिए वंशवादी पार्टी को स्वीकार किया, जिसके ऊपर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। युवाओं ने आरोपों पर ध्यान न देते हुए तारिक रहमान के ऊपर जो विश्वास जताया, उससे यह बात स्पष्ट है, युवा पीढ़ी जोश में होते हुए भी होश नहीं खोती है। वर्तमान प्रधानमंत्री तारिक रहमान अभी तक कोई संवैधानिक पद पर नहीं रहे हैं। लेकिन वह पार्टी के अंदर प्रभावशाली माने जाते हैं। २००७ में शेख हसीना की सरकार ने उन्हें जेल भेजा था। उसके बाद वह इलाज के लिए बांग्लादेश छोड़कर लंदन चले गए थे। शेख हसीना के शासनकाल में उनके ऊपर कई आरोप लगाए गए थे। २०२४ में जब अंतरिम सरकार बनी तब सारे फैसले पलट दिए गए। वह १७ साल के बाद बांग्लादेश लौटे, शेख हसीना के प्रति गुस्सा और तारिक रहमान के प्रति सहानुभूति इस चुनाव में देखने को मिली है। शेख हसीना की सरकार में जिन राजनीतिक दलों को प्रतिबंधित किया गया था, वे इस चुनाव में नई भूमिका में आ गए हैं। इस समय बांग्लादेश आर्थिक एवं कूटनीतिक दबाव को झेल रहा है। बांग्लादेश अल्पविकसित देशों की सूची में शामिल है। उसके सामने इससे बाहर निकलने का लक्ष्य है। भारत सरकार ने शेख हसीना को शरण दी है। जिसके कारण भारत और बांग्लादेश के संबंध में तनाव बना हुआ है। इसी बीच बांग्लादेश, अमेरिका-चीन और पाकिस्तान के करीब आया है। वर्तमान प्रधानमंत्री रहमान के सामने लोकतंत्र को संभालने की सबसे बड़ी चुनौती है। आर्थिक दबाव से भी उन्हें बाहर निकलना है। अमेरिका चीन और भारत के साथ संबंधों में संतुलन बनाने की चुनौती बांग्लादेश की है। जिन युवाओं ने उन्हें सत्ता के शिखर में पहुंचाया है वह भी सम्मान और अवसर मिलने की उम्मीद में है। बांग्लादेश की नई सरकार युवाओं की आकांक्षाओं पर खरा उतरेगी, इस बात की आशा की जा सकती है। तारिक रहमान को प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंचाने के लिए युवाओं और बांग्लादेश की आवाम ने उन पर जो भरोसा जताया है, यदि वह उम्मीद के अनुसार परिणाम नहीं दे पाए, तो वह ज्यादा दिनों तक सत्ता पर काबिज नहीं रह पाएंगे। युवा पीढ़ी ज्यादा समय तक इंतजार नहीं करती है। बांग्लादेश के युवाओं ने सारी दुनिया को बता दिया है, कितनी भी मजबूत सत्ता हो उसे हटाया जा सकता है। इस चुनाव का असर निश्चित रूप से भारत के ऊपर भी देखने को मिलेगा। पिछले १२ वर्षों से यहां पर भी वंशवाद को लेकर वर्तमान सरकार गांधी परिवार और कांग्रेस को घेरने का कोई मौका नहीं छोड़ रही है, लेकिन जिस तरह की स्थिति भारत में बन रही है उसमें राहुल गांधी पूरी तरह से प्रभावी भूमिका में सामने आए हैं।

विकास का एजेंडा दरकिनार, नामकरण की राजनीति पर महासभा में आज हंगामे के आसार

१० वर्ष पुराने स्वयं के निर्णय से पलटती बीजेपी; क्या धार्मिक ध्रुवीकरण की तैयारी?

नजमुल हसन रिज़वी

मीरा-भायंदरः मीरा-भायंदर महानगरपालिका की आज होने वाली महासभा विकास के मुद्दों की बजाय राजनीतिक टकराव का मंच बनती दिखाई दे रही है। विषय पत्रिका के क्रमांक 16 में शामिल 'टिपू सुल्तान चौक' के नामकरण का प्रस्ताव शहर में नई बहस और विवाद को जन्म दे चुका है। हैरानी की बात यह है कि जिस प्रस्ताव को वर्ष 2016 में भाजपा के तत्कालीन विधायक नरेंद्र मेहता ने स्वयं महासभा में पेश कर पारित कराया था, उसी नाम को अब बदलने की कवायद बीजेपी की ओर से की जा रही है।

क्या है पूरा मामला?

03 दिसंबर 2016 को हुई महासभा में भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता प्रस्तावक, वर्षा भानुशाली अनुमोदक और गीता जैन महापौर थीं। उसी बैठक में मीरा रोड स्थित एक चौक का नाम मैसूर के शासक टिपू सुल्तान के नाम पर रखने का प्रस्ताव पारित हुआ था। अब एक दशक बाद उसी नाम को विवाद का विषय बनाकर राजनीतिक हलचल तेज कर दी गई है। विपक्षी दलों का आरोप है कि आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए धार्मिक भावनाओं को भड़काने की कोशिश की जा रही है।

शिवसेना का तीखा हमला

शिवसेना (उद्धव गुट) के मीरा-भायंदर प्रवक्ता संतोष गोळे ने सत्ताधारी दल पर सीधा निशाना साधा। उनके साथ जिला प्रमुख राजू भोईर और शिवसैनिक मनोज राणे भी मौजूद थे।

संतोष गोळे ने कहा, 'जनता ने नगरसेवकों को सड़क, पानी और कचरे की समस्याएं सुलझाने के लिए चुना है, न कि

धार्मिक मुद्दों को उखाड़ने के लिए। 10 साल पहले खुद जिस नाम को मंजूरी दी गई, आज उसी को बदलने की कोशिश करना राजनीतिक अवसरवाद और धार्मिक ध्रुवीकरण का स्पष्ट संकेत है।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर 2016 में यह निर्णय गलत था तो तब जिम्मेदार कौन था? और अगर सही था तो अब इसे बदलने की जरूरत क्यों पड़ रही है? सत्ताधारी दल को अपनी दोहरी नीति पर जवाब देना चाहिए।'

विकास के मुद्दे पीछे क्यों?

मीरा-भायंदर शहर इस समय ट्रैफिक जाम, अपर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं, जल आपूर्ति और आधारभूत संरचना की समस्याओं से जूझ रहा है। नागरिकों का कहना है कि महासभा में इन मुद्दों पर गंभीर चर्चा अपेक्षित है, लेकिन विवादास्पद प्रस्तावों को प्राथमिकता दी जा रही है। स्थानीय नागरिकों के बीच यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या शहर के विकास से अधिक महत्वपूर्ण नामांतरण की राजनीति है? क्या प्रशासन ने इस संवेदनशील मुद्दे से उत्पन्न होने वाले संभावित सामाजिक तनाव का आकलन किया है?

जवाबदेही तय होगी?

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 2016 में स्वयं प्रस्ताव पेश करने वाले तत्कालीन विधायक नरेंद्र मेहता को यह स्पष्ट करना चाहिए कि अब रुख बदलने के पीछे क्या कारण हैं। क्या यह महज चुनावी रणनीति है या कोई वैचारिक पुनर्विचार?

बुधवार की महासभा में सत्ताधारी दल अपने रुख पर अडिग रहता है या जनभावनाओं को देखते हुए विकास के मुद्दों पर लौटता है, इस पर पूरे शहर की नजरें टिकी हैं। फिलहाल इतना तय है कि विकास बनाम नामाकरण की यह बहस आने वाले दिनों में मीरा-भायंदर की राजनीति को और अधिक गरमाने वाली है।

भायंदर में १९ वर्षीय युवती से दुष्कर्म का प्रयास विफल; मनसे के हस्तक्षेप के बाद मामला दर्ज

नवघर पुलिस स्टेशन में बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत कंपनी मालिक के खिलाफ प्राथमिकी

नजमुल हसन रिज़वी

भायंदरः भायंदर पूर्व के गोडदेव क्षेत्र स्थित एक स्टील कंपनी में कार्यरत १९ वर्षीय युवती के साथ कथित रूप से दुष्कर्म का प्रयास किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि कंपनी के मालिक जयनारायण सैनी ने युवती के साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की। युवती द्वारा शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया।

पीड़िता ने इसके बाद महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) से संपर्क किया। मनसे के शहर अध्यक्ष संदीप राणे ने तत्काल नवघर पुलिस स्टेशन पहुंचकर शिकायत दर्ज कराने में पहल की। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर भारतीय न्याय संहिता (BNS) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

मनसे शहर अध्यक्ष संदीप राणे ने कहा, 'जैसे ही हमें घटना की जानकारी मिली, हम तुरंत पीड़िता के साथ पहले फैक्ट्री जाकर उस नराधम को मनसे स्टाइल में सबक सिखाया उसके बाद नवघर पुलिस स्टेशन लेकर पहुंचे। हमारी प्राथमिकता थी कि तत्काल एफआईआर दर्ज हो और आरोपी को गिरफ्तार किया जाए। किसी भी बेटी के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'आरोपी कई दिनों से युवती पर गलत नजर रखे हुए था। ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी महिला के साथ इस तरह की हरकत करने की हिम्मत न करे।' पुलिस सूत्रों के अनुसार, मामले की जांच जारी है और पीड़िता का बयान दर्ज कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

इस घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। सामाजिक संगठनों ने भी आरोपी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

मुंबईः बीएमसी में स्टैंडिंग कमेटी के सदस्यों का ऐलान

मुंबईः मुंबई बीएमसी में मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव संपन्न होने के बाद पॉवरफुल स्टैंडिंग कमेटी के सदस्यों का ऐलान कर दिया गया है। स्टैंडिंग कमेटी में बीजेपी की दबदबा सामने आया है। उसके १० सदस्यों को जगह मिली है। एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के हिस्से में ४ सदस्य आए हैं। पार्टी ने यामिनी जाधव को स्टैंडिंग का सदस्य बनाया है। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली सात सदस्यों को एंट्री मिली है। कांग्रेस के हिस्से में चार और मनसे और एआईएमआईएम के एक-एक पार्षद को स्टैंडिंग में रखा गया है।

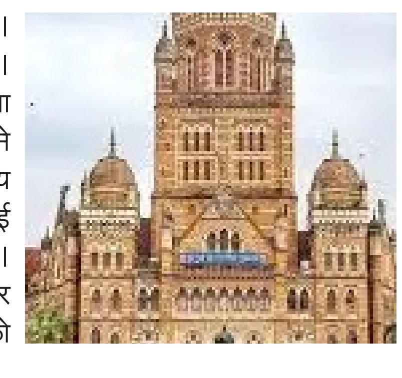

११ फरवरी को हुआ था मेयर का ऐलान मुंबई बीएमसी चुनावों के लिए १५ जनवरी को वोट डाले गए थे। इसके अगले दिन १६ जनवरी को नतीजे घोषित किए गए थे। २८ जनवरी को अजित पवार की प्लेन क्रैश में मौत के बाद मेयर का चुनाव आगे बढ़ गया था। ११ फरवरी को मेयर का चुनाव हुआ था, हालांकि मेयर और डिप्टी मेयर के लिए एक-एक नामांकन से तस्वीर पहले ही साफ हो गई थी। बीजेपी की पार्षद रितु तावड़े मेयर बनीं थी जबकि संजय घाडी को शिंदे की शिवसेना ने डिप्टी मेयर बनाया है।

तजिंदर तिवाना भी बने सदस्यः बीजेपी ने स्टैंडिंग के अपने १० सदस्यों में पार्षद तेजिंदर सिंह तिवाना को भी जगह दी है। उन्हें बृहन्मुंबई नगर निगम में 'स्टैंडिंग कमेटी मेंबर' के तौर पर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति उनके एक्टिव पब्लिक रिलेशन, एडमिनिस्ट्रेटिव अनुभव और विकास के काम के लिए लगातार कमिटमेंट को देखते हुए की गई है। तजिंदर तिवाना वार्ड ४७ (मलाड वेस्ट/मालवणी) से जीते हैं। उन्होंने बड़े अंतर से जीत हासिल की थी। वह १३,८५८ वोटों से विजयी हुए थे।तजिंदर तिवाना मुंबई में बीजेपी के युवा मोर्चा के अध्यक्ष भी हैं।

शाहिद के लिए प्यार भरा संदेश साझा किया मीरा राजपूत ने

बॉलीवुड की रोमांटिक-एक्शन ड्रामा फिल्म ओ रोमियो सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म की कहानी को लेकर लंबे समय तक विवाद चला और मामला कोर्ट तक पहुंच गया था, लेकिन इसे हुसैन उस्तरा की कहानी से प्रेरित न मानते हुए अदालत ने रिलीज की अनुमति दे दी। शाहिद कपूर, तृप्ति डिमरी और अविनाश तिवारी की इस फिल्म के रिलीज के दिन अभिनेता शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत कपूर ने वैलेंटाइन वीक के मौके पर अपने असली रोमियो शाहिद के लिए प्यार से भरा संदेश साझा किया।

मीरा ने अपनी और शाहिद की रोमांटिक तस्वीरें पोस्ट कीं और लिखा, 'मेरे रोमियो, जब वो पूछे 'मैं हूं कि हूं नहीं?' तो याद रखना, तुम वही हो अथक, अविश्वसनीय प्रतिभा वाले, जिनकी आंखें हजारों शब्द कहती हैं। तुम्हारा दिल हमेशा सब ठी का

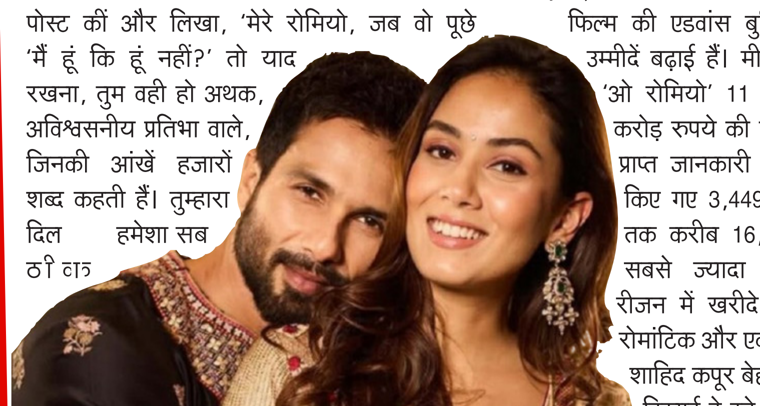

करने की कोशिश करता है, और जो तुम्हें थामे हुए है, वही प्रकाश है।

अब चमकने का समय है। तुम्हें शानदार कहना भी कम होगा। मुझे तुम पर बहुत गर्व है।' मीरा की इस पोस्ट से साफ झलकता है कि उन्हें शाहिद और उनकी नई फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। साल 2019 में शाहिद कपूर ने कबीर सिंह के साथ बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल की थी, लेकिन इसके बाद उनकी फिल्मों का प्रदर्शन औसत रहा। ऐसे में 'ओ रोमियो' को लेकर फैंस और परिवार, दोनों की एक्सपेक्टेशंस काफी बढ़ गई हैं।

फिल्म की एडवांस बुकिंग ने भी निर्माताओं की उम्मीदें बढ़ाई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'ओ रोमियो' 11 फरवरी तक लगभग 1.42 करोड़ रुपये की एडवांस बुकिंग कर चुकी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भारत में तय किए गए 3,449 शोज के लिए 11 जनवरी तक करीब 16,226 टिकट बिक चुके थे। सबसे ज्यादा टिकट्स दिल्ली-एनसीआर रीजन में खरीदे गए हैं। 'ओ रोमियो' एक रोमांटिक और एक्शन-पैक्ड कहानी है, जिसमें शाहिद कपूर बेहद इंटेंस और खूंखार लुक में दिखाई दे रहे हैं।

गावस्कर, कपिल सहित दुनिया भर के दिग्गज क्रिकेटरों ने पाक सरकार को पत्र लिखकर इमरान को चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने को कहा

भारतीय टीम के दो पूर्व कप्तानों सुनील गावस्कर और कपिल देव सहित दुनिया भर के 14 दिग्गज पूर्व क्रिकेटरों ने पाकिस्तान सरकार को एक पत्र लिखकर पूर्व क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान खान को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने को कहा है। इमरान दिग्गज क्रिकेटर रहे हैं और उनकी कप्तानी में ही पाक टीम ने साल 1992 में एकमात्र विश्वकप जीता था। संन्यास के बाद राजनीति में आये इमरान प्रभानमंत्री भी रहे है पर आजकल वह भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल में बंद है। काल कोठरियों में बंद इमरान की हाल बेहद खराब बतायी जा रही है। उनके परिवार और समर्थकों की अपील पर सुप्रीम कोर्ट ने 73 साल इमरान की चिकित्सा जांच के आदेश दिये थे जिनपर सरकार ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया जा सकता था पर इसकी जगह पर डॉ क्टरों की टीम को रावलपिंडी की अडियाला जेल भेज दिया गया। इमरान के खिलाफ खेले गावस्कर और कपिल सहित भारतीय क्रिकेटरों ने उनकी बिगड़ती हालत पर चिन्ता जतायी है। साथ ही कहा कि इमरान की आंखों की रोशनी भी तेजी से जा रही है। पिछले ढाई साल से उनकी खराब सेहत की खबरें आ रही हैं जिससे हम दूखी हैं। हम चाहते हैं कि उनके मानवीय अधिकारों का सम्मान किया जाये और इंसानियत से पेश आया जाये। हमारा मानना है कि इमरान खान जैसे शीर्ष कद के व्यक्ति के साथ एक पूर्व राष्ट्रीय नेता और वैश्विक खेल हस्ती के रूप में गरिमा और बुनियादी मानवीय सम्मान के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। इसलिए हम पाकिस्तान सरकार से अनुरोध करते हैं कि वह यह सुनिश्चित करे कि इमरान को मूलभूत सुविधाएं मिलें। जिसमें उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान के लिए उनकी पसंद के योग्य विशेषज्ञों द्वारा तत्काल, पर्याप्त और निरंतर चिकित्सा देखभाल के अलावा अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हिरासत की स्थिति में , भी परिवार के करीबी लोगों को मिलने दिया जाये। इसके अलावा उन्हें कानूनी सुविधाएं भी मिलनी चाहिये। साथ ही कहा कि क्रिकेट हमेशा से देशों के बीच एक सेतु रहा है। मैदान पर हमारा साझा इतिहास हमें याद दिलाता है कि स्टंप गिरने के साथ ही प्रतिद्वंद्विता समाप्त हो जाती है और सम्मान कायम रहता है।

इंदौर की MBA छात्रा की निर्मम हत्या

क्लासमेट ने किया खून, शव के साथ दरिंदगी, अघोरी कृत्य... मुंबई लोकल में आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। 'हमारी बेटी कहीं दिखी क्या...?' यह सवाल इंदौर का एक परिवार हर मिलने वाले से पूछ रहा था। बेटी का कोई पता नहीं, फोन बंद, घर में बेचैनी और डर। उन्हें क्या पता था कि उनकी तलाश का अंत एक ऐसे सच पर होगा, जिसे जानकर रूह कांप जाए। इंदौर में रहने वाली 24 वर्षीय ई छात्रा 10 फरवरी की सुबह अपने पिता के साथ घर से निकली थी। पिता ने उसे कलेक्टर कार्यालय के पास छोड़ा। उसने कहा था कि आधार कार्ड से जुड़ा कुछ काम है। कुछ देर बाद उसने अपनी छोटी बहन को फोन कर बताया कि वह अपने क्लासमेट पियुष के साथ एक बर्थडे पार्टी में जा रही है और रात 11 बजे तक लौट आएगी। यही उसकी आखरिी बातचीत थी। आधार कार्ड से जुड़े काम का बहाना बनाकर वह बाहर गई, लेकिन इसके बाद वह कभी वापस नहीं लौटी। रात होते-होते परिवार की

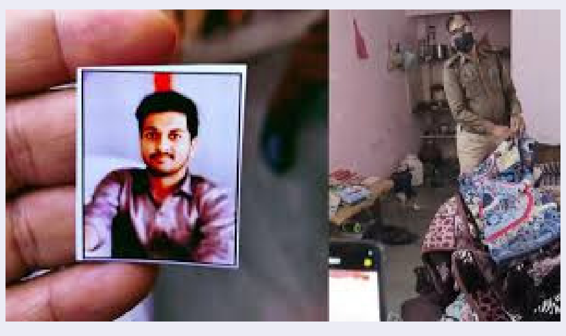

चिंता डर में बदल गई, जब छात्रा के ही मोबाइल नंबर से उसके रिश्तेदारों और कॉलेज ग्रुप में आपत्तिजनक वीडियो भेजे जाने लगे। कॉलेज प्रशासन ने वीडियो डिलीट करने की बात कही, लेकिन तब तक पूरे परिवार में अफरा-तफरी मच चुकी थी। अगले दिन जब छात्रा का कोई सुराग नहीं मिला तो गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई गई। जिस क्लासमेट पियुष के साथ पार्टी में जाने की बात सामने आई थी, उसका फोन भी बंद था। चार दिन बाद द्वारकापुरी इलाके के एक घर से बदबू आने की सूचना पर पुलिस पहुंची। दरवाजा खोलते ही अंदर का यह मामला सिर्फ एक हत्या नहीं, बल्कि भरोसे के नाम पर की गई क्रूरता, डिजिटल शोषण और विकृत मानसिकता का भयावह उदाहरण बनकर सामने आया है। जांच जारी है और पुलिस का दावा है कि इस अपराध से जुड़े हर पहलू को सामने लाया जाएगा। दृश्य रोंगटे खड़े कर देने वाला था। बेड पर निर्वस्त्र अवस्था में छात्रा का शव पड़ा था। पिता ने उसे पैरों में पहने मोज़ों से पहचाना।

हत्या के बाद शव के साथ दरिंदगी

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी पियुष ने पहले छात्रा की हत्या की और उसके बाद भी नहीं रुका। चाकू से हमला कर, फिर रस्सी से गला घोंटकर उसकी जान ली गई। हत्या के बाद आरोपी बाहर गया, शराब लेकर लौटा और मृतदेह के पास बैठकर शराब पी। इसके बाद उसने करीब डेढ़ घंटे तक शव के साथ यौन हिंसा की। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार मृतदेह की हालत इतनी खराब थी कि जांच में डॉक्टरों को लंबा समय लग गया।

अघोरी कृत्य और आत्मा बुलाने की कोशिश

हत्या के बाद आरोपी इंदौर से भाग निकला। वह गोवा गया और फिर मुंबई पहुंचा। पनवेल के एक होटल में उसने मोमबत्ती, अगरबत्ती, हल्दी-कुंकू, पीड़िता का आधार कार्ड और उसकी अंगूठी रखकर तांत्रिक क्रियाएं कीं। पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि वह छात्रा की आत्मा को बुलाकर उससे माफी मांगना चाहता था। उसने सोशल मीडिया पर अघोरी और तंत्र-मंत्र से जुड़े वीडियो देखकर यह सब किया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तारी के समय भी वह मंत्र बुदबुदा रहा था।

मुंबई तक पीछा, लोकल ट्रेन में गिरफ्तारी

हत्या के बाद आरोपी का मोबाइल बंद था, लेकिन अचानक पीड़िता का फोन चालू हुआ। उसी फोन की लोकेशन ट्रैक करते हुए पुलिस को सुराग मिला। सिग्नल मुंबई के अलग-अलग इलाकों से मिल रहे थे। लगातार निगरानी के बाद पुलिस ने अंधेरी इलाके में चलती लोकल ट्रेन में दोनों ओर से घेराबंदी कर आरोपी को दबोच लिया। गिरफ्तारी के साथ ही इस जघन्य हत्याकांड की पूरी परतें खुलती चली गईं।

मुंबई वॉटर मेट्रो सेवा कब होगी शुरू?

सरकार ने बता दिया, कौन से रूट पर चलेगी?

इस्माईल खान

मुंबई : मुंबई और उसके आसपास के क्षेत्रों में बढ़ते ट्रैफिक दबाव को कम करने के लिए प्रस्तावित मुंबई वॉटर मेट्रो परियोजना को दिसंबर से चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा। महाराष्ट्र के बंदरगाह मंत्री नितेश राणे ने सोमवार को इसकी जानकारी

दी। राणे ने बताया कि मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर) के लिए तैयार की जा रही विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) 28 फरवरी तक प्रस्तुत कर दी जाएगी। इसके बाद रूट्स की व्यवहार्यता पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ चर्चा की जाएगी और पहले चरण में दो चयनित मार्गों पर काम शुरू होगा।

6 से 8 रूट, इलेक्ट्रिक नावों का नेटवर्कः करीब 1,200 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के तहत एमएमआर में छह से आठ रूट चिह्नित किए गए हैं। इन रूट्स को बैटरी से चलने वाली इलेक्ट्रिक नावों के नेटवर्क से जोड़ा जाएगा, जिससे पर्यावरण अनुकूल और तेज जल परिवहन व्यवस्था विकसित की जा सके। राणे ने कहा कि शुरुआत मुंबई शहर से की जाएगी और बाद में इसे पूरे एमएमआर क्षेत्र तक विस्तारित किया जाएगा।

प्रमुख रूट और 40 मिनट में एयरपोर्टः शहर के भीतर प्रस्तावित सेवाएं मुख्य रूप से नरीमन पॉइंट-वर्ली-बांद्रा-जुहू-वर्सोवा कॉरिडोर पर केंद्रित होंगी। पहले चरण में दो रूट चालू किए जाएंगे। दक्षिण मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया के पास रेडियो क्लब जेट्टी के तैयार होने के बाद वॉटर मेट्रो के जरिए नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक पहुंचने में लगभग 40 मिनट का समय लगेगा, जिससे यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी।

कोच्चि मॉडल पर आधारित योजनाः यह परियोजना कोच्चि वॉटर मेट्रो मॉडल से प्रेरित है। राज्य सरकार 6 मार्च को पेश होने वाले बजट में इसकी औपचारिक घोषणा कर सकती है। मुंबई वॉटर मेट्रो के संचालन से न केवल सड़क यातायात का दबाव घटेगा, बल्कि शहर को एक आधुनिक, टिकाऊ और स्मार्ट परिवहन विकल्प भी मिलेगा।

वॉटर मेट्रो क्या है?ः एक आधुनिक और पर्यावरण-अनुकूल जल परिवहन प्रणाली है, जिसमें बैटरी-संचालित या इलेक्ट्रिक फेरी/नौकाओं के माध्यम से शहर के विभिन्न हिस्सों को जलमार्ग से जोड़ा जाता है। इसका मुख्य लक्ष्य सड़क यातायात की भीड़भाड़ को कम करना, तेज, सुविधाजनक और पर्यावरण के अनुकूल यात्रा विकल्प प्रदान करना है। यह प्रणाली शहरी क्षेत्रों में ट्रैफिक जाम, प्रदूषण और समय की बचत के लिए एक प्रभावी समाधान साबित हो रही है।

अमरावती में बकाया बिजली बिल पर बवाल, महावितरण उपकेंद्र में तोड़फोड़

अमरावती। खोलापुरी गेट पुलिस थाना क्षेत्र में बकाया बिजली बिल को लेकर उस वक्त तनावपूर्ण स्थिति बन गई, जब एक उपभोक्ता ने गुस्से में आकर महावितरण के उपकेंद्र

कार्यालय में जमकर तोड़फोड़ कर दी। यह घटना 14 फरवरी की शाम भाजी बाजार स्थित उपकेंद्र में घटी। जानकारी के अनुसार भातकुली रोड स्थित व्यंकटेश टाउनशिप निवासी मंगेश गणेश ढोके पर लंबे समय से बिजली बिल की बड़ी राशि बकाया थी। कई बार नोटिस देने के बावजूद भुगतान न होने पर मार्च एंडिंग के मद्देनज़र चलाए जा रहे वसूली अभियान के तहत 14 फरवरी की दोपहर उसका बिजली कनेक्शन काट दिया गया। कनेक्शन कटने के बाद शाम के समय आरोपी भाजी बाजार स्थित उपकेंद्र कार्यालय पहुंचा और बकाया राशि किस्तों में भरने की मांग करने लगा। अधिकारियों ने उसे नियमों की जानकारी देते हुए बताया कि एक बार कनेक्शन काटे जाने के बाद किस्त की सुविधा लागू नहीं होती। इसी बात से आरोपी उग्र हो गया और उसने कार्यालय में रखी कुर्सियां और टेबल उलट दीं। इतना ही नहीं, महत्वपूर्ण दस्तावेज फेंक दिए गए और अधिकारी-कर्मचारियों पर हमला करने का प्रयास भी किया गया। अचानक हुई इस घटना से कार्यालय परिसर में अफरा-तफरी मच गई। शोरगुल के बीच आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना की शिकायत सहायक अभियंता नीलेश अरुण गुल्हाने ने दर्ज कराई है। मामले में खोलापुरी गेट पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा, तोड़फोड़ और धमकी देने से संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है, वहीं महावितरण ने कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई है।

अकोला से सामने आई दिल छू लेने वाली अनोखी शादी

कद छोटा, भरोसा बड़ा.... प्यार ने रच दिया जीवनभर का साथ

अकोला। शहर में एक ऐसी शादी की कहानी सामने आई है, जिसने हर किसी के चेहरे पर मुस्कान और दिल में अपनापन भर दिया है। यह कहानी है 3.6 फीट लंबे दूल्हे प्रतीक और 3 फीट की दुल्हन रेणुका की,।जिनका विवाह यह साबित करता है कि रिश्तों की ऊँचाई कद से नहीं, सोच और भरोसे से नापी जाती है। जिले के प्रतीक धानुका और मध्यप्रदेश की रेणुका का विवाह मध्यप्रदेश के सिरोज में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुआ। शादी में बड़ी संख्या में रिश्तेदार और परिजन शामिल हुए। विवाह के बाद अकोला शहर के खंडेलवाल लॉन्स में भव्य रिसेप्शन का आयोजन किया गया, जहां नवदंपती को आशीर्वाद देने वालों का तांता लगा रहा। स्टेज पर दोनों के साथ सेल्फी लेने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। प्रतीक पेशे से ICICI Bank में पुणे में रिलेशनशिप मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं, जबकि रेणुका सिरोज के एक स्कूल में लाइब्रेरियन के रूप में सेवाएं दे रही हैं। दोनों की पहचान सोशल मीडिया के माध्यम से हुई थी। बातचीत बढ़ी, मुलाकातें हुईं और धीरे-धीरे एक-दूसरे को समझने का सफर शुरू हुआ। प्रतीक बताते हैं कि शुरुआत में उन्हें खुद यकीन नहीं था कि यह रिश्ता शादी तक पहुंचेगा। लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया, भरोसा मजबूत होता गया। परिवारों के बीच बातचीत हुई, सहमति बनी और फिर दोनों का विवाह संपन्न हुआ। रेणुका के परिवार ने भी खुले दिल से इस रिश्ते को स्वीकार किया और सिरोज में विवाह

समारोह आयोजित किया गया। अपनी खुशी साझा करते हुए प्रतीक ने कहा कि शादियां सचमुच किस्मत और आशीर्वाद से तय होती हैं। उन्होंने बताया कि ईश्वर ने उनकी ज़िंदगी में वही जीवनसाथी चुना, जो उनके लिए सबसे उपयुक्त है। माता-पिता के आशीर्वाद से शुरू हुआ यह नया सफर उनके लिए बेहद खास है। इस अनोखी शादी की चर्चा अकोला ही नहीं, बल्कि आसपास के इलाकों में भी हो रही है। यह विवाह सिर्फ दो लोगों का मिलन नहीं, बल्कि समाज को यह संदेश भी देता है कि सच्चा रिश्ता बाहरी मापदंडों से नहीं, बल्कि आपसी समझ, सम्मान और प्रेम से बनता है।

मीरा भायंदर महानगरपालिका को पारदर्शिता में राज्य में दूसरा स्थान

29 महानगरपालिकाओं के सर्वेक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन; सोशल मीडिया श्रेणी में पूर्ण 10 अंक

नजमुल हसन रिज़वी

मीरा भायंदरः पॉलिसी रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (PRO) द्वारा राज्य की 29 महानगरपालिकाओं पर किए गए सर्वेक्षण में प्रशासनिक पारदर्शिता के मानक पर मीरा भायंदर महानगरपालिका ने दूसरा स्थान प्राप्त किया है। रिपोर्ट के

अनुसार पारदर्शिता के क्षेत्र में मीरा भायंदर और मुंबई महानगरपालिका का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ श्रेणी में दर्ज किया गया है।

यह सर्वेक्षण 1 नवंबर से 31 दिसंबर 2025 के बीच 101 निर्धारित मानकों के आधार पर किया गया। इसमें सेवा पारदर्शिता, उपलब्धता और प्रशासनिक प्रक्रिया जैसे प्रमुख मानकों के साथ आधिकारिक वेबसाइट, मोबाइल एप्लिकेशन, सोशल मीडिया और डिजिटल तंत्र की समीक्षा की गई। रिपोर्ट में मीरा भायंदर महानगरपालिका की ई-गवर्नेंस व्यवस्था की विशेष सराहना की गई है। सोशल मीडिया पारदर्शिता श्रेणी में महानगरपालिका को 10 में से 10 अंक प्राप्त हुए हैं। कई महानगरपालिकाओं में जहां पारदर्शिता के मानकों में कमी पाई गई, वहीं मीरा भायंदर इस कसौटी पर अग्रणी रही।

महापौर डिंपल मेहता ने कहा, 'पारदर्शिता के मानक पर राज्य में दूसरा स्थान मिलना मीरा भायंदर के नागरिकों के लिए गर्व की बात है। यह उपलब्धि प्रशासन और नागरिकों के सक्रिय सहयोग का परिणाम है। ऑनलाइन सेवाएं, प्रभावी शिकायत निवारण प्रणाली और सोशल मीडिया के माध्यम से निरंतर संवाद हमारी प्राथमिकता रही है। भविष्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर सेवाओं को और अधिक सरल व पारदर्शी बनाया जाएगा।'

महानगरपालिका आयुक्त राधाबिनोद शर्मा ने कहा, 'ई-गवर्नेंस केवल तकनीकी व्यवस्था नहीं, बल्कि प्रशासनिक दक्षता का प्रतीक है। 101 मानकों पर आधारित मूल्यांकन में पारदर्शिता के क्षेत्र में अग्रणी रहना हमारे अधिकारियों और कर्मचारियों की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। डिजिटल शिकायत निवारण, कर भुगतान की सरल व्यवस्था और नागरिक-केंद्रित सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। आगामी चरण में डेटा प्रबंधन और एआई आधारित सेवाओं को और मजबूत किया जाएगा।'

इस उपलब्धि के बाद विभिन्न स्तरों से महानगरपालिका की सराहना की जा रही है।

मीरा भायंदर में स्वच्छता अभियान तेज; गंदगी फैलाने और सिंगल-यूज़ प्लास्टिक बेचने वालों पर कार्रवाई

चिकन विक्रेता पर ₹5,000 जुर्माना, प्लास्टिक विक्रेताओं से ₹10,000 वसूले

नजमुल हसन रिज़वी

मीरा भायंदरः मीरा भायंदर महानगरपालिका आयुक्त राधाबिनोद शर्मा के निर्देश पर शहर में स्वच्छता नियमों के उल्लंघन के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जा रहा है। अतिरिक्त आयुक्त डॉ. संभाजी पानपट्टे और उपायुक्त डॉ. सचिन बांगर के मार्गदर्शन में एकल-उपयोग प्लास्टिक बेचने वालों तथा सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों पर दंडात्मक कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में प्रभाग क्रमांक 22 के अंतर्गत रेलवे समानांतर मार्ग पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। संयुक्त टीम ने निरीक्षण के दौरान एक चिकन विक्रेता को सड़क पर गंदगी फैलाते हुए पाया। स्वच्छता निरीक्षक, लिपिक, मुकादम, फेरीवाला पथक और भरारी पथक की संयुक्त कार्रवाई में संबंधित विक्रेता पर ₹5,000 का जुर्माना लगाया गया।

इसके अतिरिक्त, एकल-उपयोग प्लास्टिक की बिक्री करने वाले विक्रेताओं के खिलाफ भी अभियान चलाते हुए ₹10,000 का दंड वसूला गया।

आयुक्त राधाबिनोद शर्मा ने कहा, 'सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाना दंडनीय अपराध है। शहर

को स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ रखना प्रशासन और नागरिकों की साझा जिम्मेदारी है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमित और कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।'

प्रशासन की ओर से नागरिकों से अपील की गई है कि वे स्वच्छता नियमों का पालन करें और शहर को साफ-सुथरा बनाए रखने में सहयोग दें।

महाघोटाले का खुलासा! 1800 करोड़ की जमीन डील में दो अधिकारियों की बलि तय?

जांच रिपोर्ट के बाद पार्थ पवार को लेकर बड़ी अपडेट

मुन्ना मुजावर

पुणेः पुणे के कोरेगांव पार्क भूमि घोटाले में एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है, जिसने राज्य के राजनीतिक और राजस्व हलकों में हलचल मचा दी है। राजस्व सचिव विकास खर्गे समिति ने राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले को अपनी विस्तृत रिपोर्ट सौंप दी है। इस रिपोर्ट में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता पार्थ पवार को बड़ी राहत दी गई है। वहीं, इस सौदे में अनियमितताएं करने वाले दो वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की सिफारिश की गई है। यह रिपोर्ट आज कैबिनेट बैठक में पेश की जाएगी।

आखिरी मामला क्या है?

यह मामला पुणे के कोरेगांव पार्क क्षेत्र में लगभग 1,800 करोड़ रुपये के बाजार मूल्य वाली 'महार वतन' भूमि की मात्र 300 करोड़ रुपये में कथित खरीद से संबंधित है। इस भूमि सौदे में नियमों के उल्लंघन की शिकायतों के बाद, राज्य सरकार ने राजस्व सचिव विकास खर्गे की अध्यक्षता में एक जांच समिति का गठन किया था।

पार्थ पवार को राहत

जांच समिति ने इस मामले में पार्थ पवार को 'प्रतिरक्षा' प्रदान की है। ऐसा माना जाता है कि जमीन की खरीद-बिक्री प्रक्रिया में उनके खिलाफ लगाए गए आरोप सबूतों के अभाव में साबित नहीं हो सके।

रिपोर्ट में पाया गया कि लेन-देन को सुगम बनाने और आवश्यक परमिट प्राप्त करने में मदद करने वाले दो सरकारी अधिकारियों ने अपने अधिकार का दुरुपयोग किया। समिति ने दोनों अधिकारियों के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई की सिफारिश की।

माना जा रहा है कि इस रिपोर्ट ने पार्थ पवार के खिलाफ लगे आरोपों को स्पष्ट कर दिया है। दिलचस्प बात यह है कि जहां पार्थ पवार का नाम आगामी राज्यसभा नामांकन के लिए विचाराधीन था, वहीं अब राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा चल रही है कि इस रिपोर्ट ने उनकी उम्मीदवारी का रास्ता खोल दिया है। दूसरी ओर, इस मामले पर विपक्ष के रुख ने जनता का ध्यान आकर्षित किया है।

पिंपरी-चिंचवड़ में गैंगवारः 'तू इस इलाके में ज्यादा उछल रहा है', दो गुटों में जमकर मारपीट, 13 पर केस दर्ज

मुन्ना मुजावर

पिंपरीः भोसरी श्छ्ण इलाके के खंडेवस्ती में पुराने झगड़े को लेकर दो ग्रुप में झगड़ा हो गया। दोनों ग्रुप के आरोपियों ने एक-दूसरे को पीटकर घायल कर दिया। यह घटना रविवार (15 फरवरी) रात करीब 11 बजे बुद्ध विहार के सामने हुई। इस मामले में एक-दूसरे के खिलाफ केस दर्ज किए गए हैं और छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पहले मामले में, रघुनाथ जिंबक आव्हाड (52, खंडेवस्ती, भोसरी) ने MIDC भोसरी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। इसके मुताबिक, राहुल उर्फ काले रमेश प्रसाद (24, खंडेवस्ती, भोसरी) को गिरफ्तार किया गया है। उसके साथ आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इनमें से तीन नाबालिग हैं, जिन्हें बरी कर दिया गया है।

पुलिस की दी गई जानकारी के मुताबिक, जब शिकायतकर्ता सड़क पर चल रहा था, तो आरोपियों ने उसे घेर लिया और लोहे के रॉड से उसके सिर पर वार करते हुए कहा, 'तुम इस इलाके में बहुत आगे बढ़ रहे हो, अभी जान से मार दूंगा।' शिकायत करने वाले की आवाज़ सुनकर उसके रिश्तेदार उसे बचाने आए तो आरोपियों ने उसे भी डंडों और लोहे के सरियों से पीटकर घायल कर दिया। इस हमले में शिकायत करने वाला और उसके रिश्तेदार गंभीर रूप से घायल हो गए और राहुल उर्फ काले को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि नाबालिग बच्चों को बरी कर दिया गया है। उसके खिलाफ सोनू बाबूलाल गौतम (17, खंडेवस्ती, भोसरी) ने श्छ्ण भोसरी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। इसके अनुसार, रघुनाथ त्र्यंबक आव्हाड (50, खंडेवस्ती, भोसरी), समाधान दुधाभाटे (25, खंडेवस्ती, भोसरी), ओमकार दुधाभाटे (22, खंडेवस्ती, भोसरी), अविनाश दत्ता काकड़े (20, खंडेवस्ती, भोसरी) और एक महिला (45, खंडेवस्ती, भोसरी) को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने पुराने झगड़े में शिकायतकर्ता और उसके दोस्त को लात-घूंसे मारे। इसके बाद, 'तुम सबको ज़िंदा नहीं रखने' की धमकी देते हुए, आरोपियों ने शिकायतकर्ता के सिर पर पत्थर से वार किया, जबकि महिला आरोपी ने उसे लोहे के पाइप से मारा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने इस मामले में सभी पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। MIDC भोसरी पुलिस जांच कर रही है।

कांग्रेस का पुलिस आयुक्तालय पर आक्रोश मार्चः आंदोलन भड़काने का गंभीर आरोप, आयुक्त के तबादले की मांग

मुन्ना मुजावर

पुणे के कांग्रेस भवन इलाके में हुई पथराव की घटना के बाद कांग्रेस पार्टी ने पुलिस कमिश्नरेट तक विरोध मार्च निकालने का फैसला किया है। नगर अध्यक्ष अरविंद शिंदे ने बताया कि यह निर्णय सोमवार को हुई बैठक में लिया गया।

अगली रणनीति कांग्रेस पार्षदों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की बैठक में तय की गई। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने गंभीर आरोप लगाए कि पुलिस ने जानबूझकर प्रदर्शन को भड़काने की कोशिश की। साथ ही, कांग्रेस ने यह सवाल भी उठाया कि कल के प्रदर्शन के दौरान महापौर मंजुषा नागपुरे के भड़काऊ भाषण के बावजूद उनके खिलाफ मामला क्यों दर्ज नहीं किया गया।

कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया है कि पुलिस ने मामला दर्ज करने में देरी की। ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि कांग्रेस पुणे पुलिस के इस रवैये के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील करेगी।

शहर अध्यक्ष अरविंद शिंदे ने कहा कि कांग्रेस पुलिस आयुक्त कार्यालय तक मार्च निकालेगी और पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार के तबादले की मांग करेगी। यह मार्च पुणे स्टेशन स्थित डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा से शुरू होगा। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल भी इस मार्च में शामिल होंगे।

शिंदे के अनुसार, पुलिस का रुख भाजपा के पक्ष में है, इसलिए विरोध करना आवश्यक है। कांग्रेस द्वारा दायर शिकायत में दो नामों को हटा दिया गया है। शिंदे ने आरोप लगाया कि भाजपा के नगर अध्यक्ष धीरज घाटे और पुणे की महापौर मंजुषा नागपुरे ने भड़काऊ भाषण दिए और उसके बाद हमारे कार्यकर्ताओं पर पत्थर फेंके गए।

इस घटना के संदर्भ में प्रशांत जगताप ने कहा कि कांग्रेस भवन क्षेत्र में हुई घटना दुर्भाग्यपूर्ण है और ऐसा प्रतीत होता है कि भाजपा राजनीतिक आतंकवाद में लिप्त है। उन्होंने सवाल उठाया कि पुणे पुलिस ने पक्षपात क्यों किया और भाजपा कार्यकर्ताओं को क्यों नहीं रोका। उन्होंने यह भी बताया कि मुख्य सड़क को दो घंटे तक अवरुद्ध किए जाने के बाद प्रदर्शन हिंसक हो गया।

जगताप ने कहा कि उन्हें मिली एफआईआर की प्रति में मेयर का नाम नहीं है। उनके भड़काऊ भाषण के कारण ही प्रदर्शन हिंसक हो गया था। जगताप ने यह भी पूछा कि क्या मुख्यमंत्री ने उन पर मेयर का नाम हटाने के लिए दबाव डाला था। उन्होंने कहा कि वे सभी सबूतों के साथ मुंबई उच्च न्यायालय में अपील करेंगे और हमारे खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए गए हैं। जगताप ने यह भी बताया कि सीसीटीवी फुटेज में मंजूषा नागपुरे प्रदर्शन में मौजूद दिख रही हैं।

VIP बंदोबस्त के लिए अलग पुलिस बल तैनात होः शरद पवार गुट के सुनील माने की मांग, अपराध और ट्रैफिक समस्याओं पर भी उठाए सवाल

मुन्ना मुजावर

एनसीपी शरद चंद्र पवार के राज्य महासचिव और प्रवक्ता सुनील माने ने मुख्यमंत्री और गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर वीआईपी सुरक्षा के लिए अलग पुलिस बल नियुक्त करने की मांग की है। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया है कि पुणे शहर में बढ़ते अपराध और यातायात समस्याओं के कारण पुलिस को अपराधों को सुलझाने के लिए पर्याप्त बल और समय नहीं मिल पा रहा है।

माने ने कहा कि पुणे शहर में वाहनों की संख्या बढ़ रही है और सड़कों की तुलना में इनकी अधिकता के कारण यातायात की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। साथ ही, शहर में हत्याओं, झगड़ों, चोरी और साइबर अपराध की दर में भी वृद्धि हुई है, जो चिंता का विषय है। मुंबई के बाद पुणे राज्य का एक महत्वपूर्ण शहर बन गया है और यहां वीआईपी यात्राओं में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। पिछले वर्ष, 334 जेड प्लस सुरक्षा प्राप्त व्यक्तियों, 98 जेड सुरक्षा प्राप्त व्यक्तियों, 969 वाई प्लस सुरक्षा प्राप्त व्यक्तियों और 25 वाई सुरक्षा प्राप्त व्यक्तियों को पुलिस द्वारा सुरक्षा प्रदान की गई थी। वीआईपी की सुरक्षा के साथ-साथ उनके काफिले के लिए वाहन भी उपलब्ध कराए जाते हैं। इससे पुलिस प्रशासन पर काफी दबाव पड़ रहा है और अपराधों को सुलझाने के लिए पर्याप्त जनशक्ति उपलब्ध नहीं है। संभागीय आयुक्त, जिला कलेक्टर, पुलिस आयुक्त जैसे लोक सेवक भी वीआईपी व्यवस्थाओं और स्वागत समारोहों में अपना कार्य समय गंवा देते हैं, जिससे आम जनता के काम में बाधा उत्पन्न होती है। इस समस्या के समाधान के रूप में, माने ने सरकार से लगातार मांग की है कि पुणे शहर के लिए एक अलग यातायात पुलिस आयुक्त नियुक्त किया जाए और वीआईपी सुरक्षा के लिए अलग से पुलिस व्यवस्था की जाए। उन्होंने इससे पहले 11 दिसंबर, 2023, 13 दिसंबर, 2023 और 25 दिसंबर, 2024 को तत्कालीन पालक मंत्री अजीत पवार को पत्र लिखा था। उन्होंने इस संबंध में 6 मार्च और 13 अगस्त, 2025 को मुख्यमंत्री को भी पत्र लिखा था। माने ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि वे इस पर ध्यान दें और उचित कार्रवाई करें।

पुणे के लष्कर क्षेत्र में गैंग का हमला, पिता-पुत्र को पीटा; आरोपियों पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज

मुन्ना मुजावर

पुणेः लश्कर इलाके में एक गैंग ने पिता और बेटे को बुरी तरह पीटा। गैंग ने उन पर धारदार हथियारों से हमला किया। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है और उसके साथियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इस मामले में अलहान साजिद खान को गिरफ्तार किया गया है। गैंग के हमले में अथर्व अमोल बिल्लमपल्ली (उम्र 24, निवासी कमाठीपुरा, लश्कर), उसके पिता अमोल घायल हो गए। उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। अथर्व ने इस बारे में लश्कर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, महाशिवरात्रि (15 फरवरी) के दिन लश्कर इलाके में फरल बांटने का प्रोग्राम रखा गया था। फरल बांटने के बाद, अमोल और उसके पिता रात करीब 9:30 बजे एक रिक्शे में बैठकर एक केटरिंग प्रोफेशनल से ली गई टेबल वापस करने के लिए निकले। अओपी खान और उसके साथी एक टू-व्हीलर पर निकले। टू-व्हीलर को आगे बढ़ाने की वजह पर उनके बीच मामूली बहस हो गई। इसके बाद खान और उसके साथियों ने रिक्शा रोककर बिलमपल्ली के पिता-पुत्र को पीटना शुरू कर दिया। उन्होंने उन पर धारदार हथियारों से हमला किया। गैंग की पिटाई में वे घायल हो गए। इसके बाद आरोपी भाग गए। भागे हुए खान को गिरफ्तार कर लिया गया है और असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर डांडगे जांच कर रहे हैं।

राजनीतिक दल की सिफारिश के बिना भी बन सकते हैं स्वीकृत सदस्य! जानिए क्या कहते हैं नियम

मुन्ना मुजावर

पुणेः म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में अप्रूव्ड मेंबर के तौर पर चुने जाने के लिए बहुत से लोग कोशिश कर रहे हैं। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव के बाद, कई लोगों ने अप्रूव्ड कॉर्पोरेटर के तौर पर सीधे हॉल में जाने के लिए कमर कस ली है, और इसमें पॉलिटिकल पार्टियों के ऑफिस बेयरर भी शामिल हैं। पॉलिटिकल पार्टियां पार्टी वर्कर्स को रिहैबिलिटेट करने के लिए अप्रूव्ड मेंबर चुनती हैं। पॉलिटिकल पार्टियों ने चुनाव में टिकट न मिलने वाले वर्कर्स और ऑफिस बेयररर्स की नाराज़गी दूर करने के लिए कई लोगों को अप्रूव्ड कॉर्पोरेटर बनाने का वादा किया है। इसलिए, कई लोगों ने म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में कॉर्पोरेटर के तौर पर मौका पाने के लिए सीनियर नेताओं के दरवाज़े पर रहना शुरू कर दिया है। डॉक्टर, वकील, NGO और ऑर्गनाइज़ेशन के ज़रिए सोशल वर्क करने वाले, साथ ही समाज में अच्छी पोजीशन रखने वाले, म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में एडिशनल कमिश्नर के तौर पर ज़िम्मेदार और रिटायर्ड सीनियर ऑफिसर भी अप्रूव्ड कॉर्पोरेटर के तौर पर काम करने का मौका पा सकते हैं। इसके लिए म्युनिसिपल कमिश्नर के पास एप्लीकेशन दी जा सकती है। हालांकि, अक्सर इन अप्रूव्ड कॉर्पोरेटर पोस्ट का इस्तेमाल पॉलिटिकल पार्टी वर्कर्स को रिहैबिलिटेट करने के लिए किया जाता है, न कि इन पोस्ट पर अलग-अलग फील्ड में काम करने वाले एक्सपर्ट्स को अपॉइंट करने के लिए।

जबकि पुणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में अप्रूव्ड कॉर्पोरेटर के तौर पर अपॉइंट होने के लिए पॉलिटिकल पार्टियों के उम्मीदवार कोशिश कर रहे हैं, एडवोकेट प्रियंका पिसे ने राज्य सरकार के नए ऑर्डिनेंस के आधार पर म्युनिसिपल कमिश्नर नवल किशोर राम के पास एक अलग एप्लीकेशन फाइल की। यह बिना किसी पार्टी के, बिना पार्टी रिकमेंडेशन लेटर के फाइल की गई पहली एप्लीकेशन थी।

म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में कुल मेंबर्स के मुकाबले 10 अप्रूव्ड मेंबर्स अपॉइंट किए जाने हैं। कुछ साल पहले, सिर्फ पांच लोगों को अप्रूव्ड मेंबर्स अपॉइंट किया जाता था। पॉलिटिकल पार्टी की संख्या के आधार पर यह तय होता है कि हर पार्टी के कितने मेंबर्स अप्रूव्ड माने जाएंगे। इसके लिए पॉलिटिकल पार्टी की रिकमेंडेशन ज़रूरी है। राज्य सरकार ने इसमें ज़रूरी बदलाव करने का फैसला किया है और अब पांच की जगह दस मेंबर्स अपॉइंट किए जाएंगे।

म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का अप्रूव्ड मेंबर कौन होना चाहिए? इसे और साफ करने के लिए, राज्य सरकार ने 2022 में एक बदला हुआ ऑर्डिनेंस जारी किया है जो डॉक्टरों और वकीलों को बिना किसी पॉलिटिकल पार्टी की रिकमेंडेशन के अप्रूव्ड मेंबर बनने के लिए म्युनिसिपल कमिश्नर के पास अप्लाई करने की इजाज़त देता है। इस बदले हुए ऑर्डिनेंस के आधार पर एडवोकेट प्रियंका पिसे ने अप्रूव्ड मेंबर के पद के लिए म्युनिसिपल कमिश्नर के पास अप्लाई किया है।

इस बारे में जानकारी देते हुए महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के स्टेट जनरल सेक्रेटरी हेमंत संभुश ने कहा कि एडवोकेट प्रियंका पिसे ने स्टेट गवर्नमेंट द्वारा जारी किए गए बदले हुए ऑर्डिनेंस के आधार पर अप्रूव्ड मेंबर के पद के लिए अप्लाई किया है।

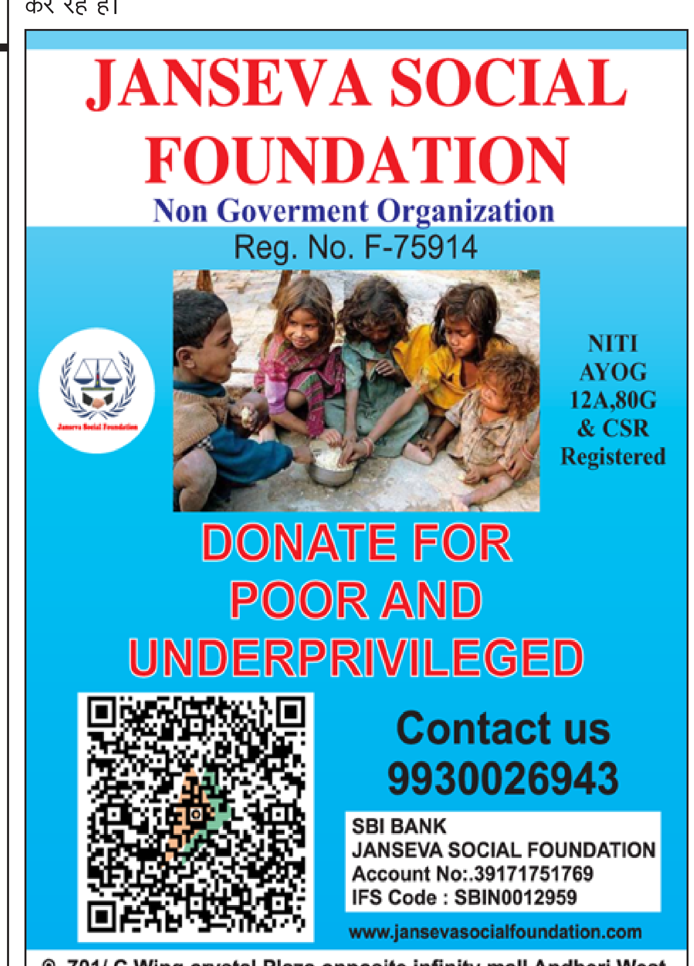

यह दैनिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4- ग्राऊंड फ्लोर, एन के. इंडस्ट्रियल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नीयर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं. 2, गोरेगांव पूर्व, मुंबई 400 063 से छपवाकर, रूम नं. ३६१, जाकिर अली चॉल, स्कॉटर कॉलोनी, जोगेश्वरी (पूर्व),मुंबई ४०० ०६० से प्रकाशित. संपादक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख मो.: ९९३००२६९४२ / ९९३००२६९४३
कार्यकारी संपादक - विक्रम सेन email -fightagainstcriminal2016@gmail.com RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 सभी पद अवैतनिक है, (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा)